L 113

First Year B.A./B.Com. Examination, May/June 2010
(Revised SIM Scheme)
LANGUAGE HINDI (Group – I) (Paper – I)
Texts : काव्य सरिता, गद्य मंजरी, सात श्रेष्ठ कहानियाँ, व्याकरण और अनुवाद

Time : 3 Hours Max. Marks : 90

SECTION – A

1. 'मेरे दीपक' कविता का सारांश लिखकर कविता की विशेषताओं को स्पष्ट कीजिए। **15**

अथवा

'वह तोडती पत्थर' कविता का सारांश लिखकर उसकी विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

2. 'सबिया' संस्मरण का सारांश लिखकर उसकी विशेषताओं पर प्रकाश डालिए। **15**

अथवा

'तावान' कहानी का सारांश लिखकर छकौड़ीलाल का चरित्र चित्रण कीजिए।

3. 'चीफ की दावत' कहानी का सार लिखकर उसकी विशेषताओं पर प्रकाश डालिए। **10**

अथवा

'फेंस के इधर उधर' कहानी का सार लिखते हुए मानवीय संबन्धों के बारे में चर्चा कीजिए।

SECTION – B

4. सप्रसंग व्याख्या कीजिए : **(6+6=12)**

अ) दीन सबन को लखत है, दीनहिं लखै न कोय।
जो 'रहीम' दीन हिं लखैं, दीनबंधु सम होय।।

अथवा

मेरा मुझमें कुछ नहीं; जो कुछ है सो तेरा।
तेरा तुझको सौंपना, क्या लागै मेरा।।

P.T.O.

आ) कालिन्दी के तट पर घने रम्य उध्यानवाला
ऊँचे ऊँचे धवल-गृह की पंक्तियों से प्रशो
जो है न्यारा मथुरा प्राणप्यारा वहीं है।
मेरा सूना सदन तजके तू वहाँ शीघ्र ही जा ।।

अथवा

तू जाती है सकल थल ही वेगावली बड़ी है।
तू है सीधी तरल-हृदया ताप उन्मूलती है।
मैं हूँ जी में बहुत रखती वायु तेरा भरोसा।
जैसे हो ऐ भगिनि! बिगड़ी बात मेरी बना दे।।

5. किन्हीं **दो** अवतरणों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : **(6+6=12)**
   1) यदि माँ मुझे यहाँ से नहीं ले जायेगी तो मैं किसी दिन गले में घडा बाँधकर पोखरे में डूब मरूँगी।
   2) ''मोदिआइन काकी, बाकी-बकाया वसूलने का काबुली कायदा तो तुमने खूब सीखा है।''
   3) ''उन लोगों ने अनुमान कर लिया है कि हम बर्फ में दब चुके हैं।''
   4) आज तो आदमी घर बैठे ही लंका तक खबर भेज सकता है और वहाँ का कुशल संवाद मंगा सकता है। फिर उसकी बुलाहट क्यों हुई है ?

SECTION – C

6. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए : **(4×4=16)**
   1) शब्द की परिभाषा लिखकर उसके भेदों को सोदाहरण समझाइए।
   2) विशेषण की परिभाषा लिखकर सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।
   3) संज्ञा किसे कहते हैं ? सोदाहरण उसके भेदों को बताइए।
   4) अन्य लिंग रूप लिखिए : लेखक, सुता, अभिनेता, श्रीमान

7. हिन्दी में अनुवाद कीजिए : **10**

ಕಾಶಿಯಲ್ಲಿ ಒಬ್ಬ ವಿದ್ವಾಂಸನಿದ್ದನು. ಅವನಿಗೆ ಇಬ್ಬರು ಮಕ್ಕಳಿದ್ದರು. ಅವನು ತನ್ನೆಲ್ಲಾ ಸಂಪತ್ತನ್ನು ಹಿರಿಯ ಮಗನಿಗೆ ಕೊಟ್ಟು ಕಿರಿಯ ಮಗನಿಗೆ ಒಳ್ಳೆಯ ವಿದ್ಯೆಯನ್ನು ಕೊಟ್ಟನು. ಹಿರಿಯ ಮಗನು ಕೆಲವೇ ದಿನಗಳಲ್ಲಿ ತನ್ನ ಎಲ್ಲಾ ಸಂಪತ್ತನ್ನು ಕಳೆದುಕೊಂಡು ಬಡವನಾದನು. ತನ್ನ ವಿದ್ಯೆಯಿಂದಾಗಿ ಕಿರಿಯ ಮಗನು ಬಹಳಷ್ಟು ಸಂಪತ್ತನ್ನು ಗಳಿಸಿ ಸಂತೋಷದಿಂದ ಬಾಳಿದನು.

There was a scholar in Kashi. He had two sons. He gave all his wealth to the elder and good education to the younger. The elder son spent away all his money in few days and became poor. By his learning, the younger one earned a lot of wealth and lived happily.